O. P. JINDAL SCHOOL, SAVITRINAGAR, TAMNAR

Annual Syllabus Break-up for the session 2025-2026

Subject-हिन्दी,Class -आठवीं

Sl.	Month	No. of Instructional days	No. of periods	Chapters to be taught	Subject enrichment activities	Values to be imparted	Extra content to be taught
1	अप्रैल	23	23	वसंत(भाग-3) 1लाख की चूड़ियाँ 2बस की यात्रा व्याकरण-व्याकरण भारती पाठ 11 उपसर्ग पाठ 12 प्रत्यय भारत की खोज- 1 अहमदनगर का किला	लाख की चूड़ियाँ- वाद-विवाद-परंपरागत फैशन और आधुनिक फैशन विषय को लेकर कक्षा में वाद-विवाद आयोजित किया जाएगा। उपसर्ग-व्याकरण की किताब से हिन्दी में प्रचलित उपसर्ग के चार प्रकार बताए जाएँगे ।	लाख की चूड़ियाँ- 1 दूसरों के प्रति संवेदना और परानुभूति का भाव 2 नाते-नेह में रचे-बसे गाँव के सहज संबंधों में बिखराव का चित्रण बस की यात्रा- 1 यातायात की दुर्व्यवस्थाओं पर व्यंग्य करती है। 2 मुसीबत के समय भी धीरज के साथ हम कठिनाइयों के साथ लड़ सकते हैं। 3 इस पाठ के माध्यम से पण्डित जवाहरलाल नेहरू जी ने अतीत के भार और अतीत के दबाव के बाद भी विरासत में मिले हुए भारत की विशिष्ट होने	पढ़ाए गए पाठ पर आधारित मूल्यांकन पत्र दिया जाएगा ताकि बच्चे पाठ को भलीभाँति समझ सकें।

						की वज़ह बताते हुए मानव को साझेदारी का पाठ सीखाया है।	
2	जून	9	9	वसंत-3 दीवानों की हस्ती(कविता) व्याकरण भारती-32 अलंकार भारत की खोज-2 खोज	अलंकार-शब्दालंकार और अर्थालंकार बताकर उनके भेद बताए जाएँगे।	दीवानों की हस्ती 1 दीवानों की हस्ती कविता हमें उत्साह और अलमस्ती के साथ जीवन जीने की कला सिखाती है। 2 कविता में सफलता और असफलता का श्रेय स्वंय ही लेने के लिए प्रेरित किया गया है। अलंकार के माध्यम से एक बात विशेष तौर पर स्पष्ट होती है कि सुसज्जित भाषा हमेशा व्यक्तिव को प्रखर और बनाते हुए कुशल वक्ता बनाने में भी सहायक होती है। अतः विद्यार्थियों को स्पष्ट किया जा सकेगा कि भाषाई स्तर को	अलंकार पाठ के आधार पर वस्तुपरक प्रश्न के लिए मूल्यांकन पत्र हल करवाया जाएगा। खोज पाठ के माध्यम से इतिहास के कुछ महत्त्वपूर्ण सवालों को सामान्य ज्ञान हेतु मूल्यांकन पत्र में दिया जाएगा।

						गिराना उनके अच्छे भविष्य के लिए भी खत्तरनाक है।	
3	जुलाई	26	26	वसंत-4 भगवान के डाकिए व्याकरण भारती-22 वाच्य 28 वाक्य-विचार भारत की खोज-3 सिंधु घाटी की सभ्यता	1 हमारे जीवन में डाकिए की भूमिका विषय पर एक अनुच्छेद लिखवाया जाएगा। 2 डाकिया,इंटरनेट के वर्ल्ड वाइड वेब(WWW) तथा पक्षी और बादल-इन तीनों संवादवाहकों के मध्य एक संवाद लिखवाया जाएगा। वाच्य की पहचान,परिवर्तन और अंतर समझाया जाएगा। वाक्य-विचार(टर्म 1 में अर्थ के आधार पर भेद) पढ़ाया जाएगा और दिन-प्रतिदिन में उपयोग होने वाले वाक्यों से इसे समझाया जाएगा। भारतीय अतीत की पहली तस्वीर सिंधु घाटी सभ्यता में ही दिखाई देती है। अत: वर्तमान पीढी को	भगवान के डाकिए पाठ के माध्यम से- वैश्विकरण के युग में हम मानवता भूलते जा रहे हैं और इंसान-इंसान के बीच में जाति-धर्म और रंग के आधार पर बढ़ती हुई खाई को प्रकृति के माध्यम से समझाया जाएगा।प्रकृति की विविधता सीख सकेंगे। वाक्य-विचार में नैतिकता से संबंधित वाक्यों से मूल्यों का संवर्धन किया जाएगा। वर्तमान समय में हम सिंधु घाटी सभ्यता पाठ के माध्यम से	सिंधु घाटी सभ्यता के अतिरिक्त प्रश्न भी बच्चों को दिए जाएँगे ताकि बच्चों को इस सभ्यता और इतिहास के बारे में कुछ और महत्त्वपूर्ण जानकारी मिल सके।

					हमारे स्वर्णिम इतिहास को बताने के लिए इस पाठ के माध्यम से विश्व के दूसरी सभ्यताओं की भी जानकारी दी जाएगी।	तत्कालीन समाज के विकसित होने में धर्मनिरपेक्षता की महत्त्वपूर्ण भूमिका को भी जान सकेंगे।	
4	अगस्त	23	22	वसंत-5 क्या निराश हुआ जाए 6 यह सबसे कठिन समय नहीं 7 कबीर की साखियाँ व्याकरण भारती-27 पद-परिचय विज्ञापन-लेखन सूचना लेखन	आपके सपनों का भारत कैसा होना चाहिए-इस विषय पर एक विचारात्मक अनुच्छेद लिखेंगे। अंतरिक्ष शब्द को और अच्छे से समझाने के लिए बच्चों को विद्यालय के एस्ट्रो लैब में लेकर जाया जाएगा। वर्तमान समय में कबीर की साखियों की प्रासंगिकता पर 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखेंगे। पद-परिचय समझाने के लिए शब्द-भेद,लिंग और वचन इन तीन बिंदुओं के साथ-साथ अविकारी शब्दों की जानकारी भी दी जाएगी।	<u>क्या निराश हुआ जाए</u> पाठ के माध्यम से विभिन्न दुर्व्यवस्थाओं और चारित्रिक मूल्यों की गिरावट के बीच सकारात्मक तथ्यों को रेखांकित करता है। <u>यह सबसे कठिन समय नहीं</u> कविता में जिजीविषा मूल भाव के रूप में निहित है। <u>कबीर की साखियाँ</u> बच्चों को स्वबोध करवाती है। <u>विज्ञापन-लेखन</u> के माध्यम से बाज़ारवाद के अजगरी पाश को समझाया जाएगा। <u>संवाद-लेखन</u> के माध्यम से आम बोलचाल की भाषा में सुधार के लिए उपचारात्मक बिंदुओं को सीखाया जाएगा।	विद्यालय के पुस्तकालय से समाचार-पत्रों बच्चों को पढ़ने के लिए दिया जाएगा ताकि उनमें आए हुए विज्ञापन की शैली और भाषा की जानकारी उन्हें मिल सके। कक्षा में दो-दो विद्यार्थियों को लेकर उनमें संवाद करवाई जाएगी ताकि वे संवाद की शुद्ध भाषा से अवगत हो सकें।

					प्रिंट विज्ञापन के साथ ही टेलीविजन पर प्रसारित विज्ञापनों के उदाहरणों के माध्यम से विज्ञापन जगत के वृहद संसार को समझाया जाएगा। सूचना लेखन के माध्यम से विद्यालय के नोटिस बोर्ड पर लगाए जाने वाले सूचना का औपचारिक ज्ञान दिया जाएगा।		
5	**सितंबर**	**9**	**9**	**टर्म 1 में पढाए गए पाठ की पुनरावृत्ति**			

6	अक्टूबर	17	18	वसंत-8 सुदामा चरित 9 जहाँ पहिया है व्याकरण भारती-27 पद-परिचय भारत की खोज -5 नयी समस्याएँ	सुदामा चरित को एकांकी में बदलिए और उसपर आधारित एक अभिनय बच्चों से करवाया जाएगा। एक संवाददाता बनकर बच्चों को 8 मार्च 1992 के दिन पुडुकोट्टई में दी गई घटनाओं और सूचनाओं के आधार पर एक समाचार तैयार करना सिखाया जाएगा। नई समस्याएँ पाठ में 16वीं सदी के बदलती हुई बयार में इंग्लैंड के दो कवि शेक्सपीयर और मिल्टन जन्म हो चुका था अत: बच्चों को शेक्सपीयर और मिल्टन की एक-एक कविता अपनी अंग्रेज़ी की नोटबुक में लिखने के लिए कहा जाएगा।	सुदामा चरित के माध्यम से बच्चों में इस सीख को विकसित होगी कि सच्ची मित्रता में अमीरी-गरीबी का कोई मोल नहीं होता है। 'जहाँ पहिया है' पाठ में स्त्री सशक्तिकरण को लेकर जागरूकता का भाव दिखाया गया है जिससे समाज में स्त्रियों को बराबर की मान्यता मिल सके।	हिंदी साहित्य में चार काल और भक्ति काल के महत्त्व को बताया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाने का उद्धेश्य बच्चों को बताया जाएगा। मुगलों के बाद के भारत की अर्थव्यवस्था और अंग्रेज़ों के औपनिवेशिक भारत की अर्थव्यवस्था में प्रमुख अंतर को बताया जाएगा।

7	नवंबर	21	22	वसंत-10 अकबरी लोटा 11 सूरदास के पद व्याकरण भारती-22 पूर्व में पढ़ाए गए वाच्य का पुनर्पाठ 28 रचना के आधार पर वाक्य-भेद	अकबरी लोटे और जहाँगीरी अंडे की तरह ही किसी एतिहासिक घटना को आधार बनाकर काल्पनिक कहानी बच्चों को लिखवाया जाएगा। बच्चे अपने बचपन से जुड़ी किसी ऐसी घटना का ईमानदारी से वर्णन करेंगे जिसमें उन्हें अपनी माँ से डाँट पड़ी हो।	अकबरी लोटा है। पाठ से बच्चे यह सीख सकेंगे कि कठिन-से-कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य रखकर मुसीबत से बाहर आया जा सकता प्रलोभन में आकर किसी बात को स्वीकारने से बचना चाहिए।	मुगल राजवंश के सभी राजाओं के नाम और उनके द्वारा बनाए गए ईमारतों के बारे में बताया जाएगा। श्रीकृष्ण भक्त कवियों की सूची तैयार की जाएगी। अकबरी लोटा पाठ में आए हुए सरल वाक्य,संयुक्त वाक्य और मिश्र वाक्यों को छाँटकर लिखेंगे।
8	दिसंबर	13	19	वसंत-12 पानी की कहानी 13 बाज और साँप व्याकरण भारती-27 पद-परिचय(पुनर्पाठ) 28 वाक्य-विचार(पुनर्पाठ) भारत की खोज-अंतिम दौर-1	पानी की कहानी पाठ से बच्चे आत्मकथा लिखना सीखेंगे। बाज और साँप पाठ में बाज की वीरता के माध्यम से कारगिल में शहीद जवान विक्रम बत्रा की गाथा बताई जाएगी। समाज सुधारक राजा राम मोहन राय,विवेकानंद और रवीन्द्रनाथ टैगोर का	पानी ही जीवन है और इसका मोल बच्चों को समझाया जा सकेगा। बाज और साँप पाठ से अपने देश के वीर जवानों के लिए श्रद्धा और सम्मान का भाव विकसित होगा। गांधी की कर्मठता और टैगोर की वैचारिक स्वतंत्रता से वर्तमान पीढी भी	विज्ञान की नोटबुक में जल चक्र बनाएँगे। उड़ने की चाह से हवाई जहाज का अविष्कार राईट ब्रदर ने किया था,इस जानकारी को बच्चों से साझा किया जाएगा।

					प्रादुर्भाव और बंगाल में नवजागरण के बारे में जानकारी दी जाएगी।	अवगत होगी।	नेशनल कांग्रेस,1885 की स्थापना और टैगोर के सपनों का प्रारूप शांतिनिकेतन की स्थापना और इसके स्वर्णिम वर्तमान के बारे में बताया जाएगा।
9	जनवरी	25	26	व्याकरण भारती-36 अनुच्छेद-लेखन 37 पत्र-लेखन सूचना लेखन विज्ञापन-लेखन भारत की खोज-7 अंतिम दौर-2 8 तनाव	सामयिक विषयों पर अनुच्छेद लेखन की कला विकसित की जाएगी। औपचारिक और अनौपचारिक पत्र लिखना सिखाया जाएगा। अंतिम दौर 2 के माध्यम से गांधी जी की शिक्षा का सार,निर्भयता,सत्य और इनसे जुड़े हुए कर्म को विद्यार्थियों को बताया जाएगा। बच्चों को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भारत छोड़ों आंदोलन का इतिहास ज्ञात होगा।	भारत की खोज के अंतिम दौर-2 में मध्यमवर्ग की बेबसी को गांधी के विचारों और आदर्शों से एक नई ताकत मिली। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं और गरीब-से-गरीब व्यक्ति के लिए भी यह महसूस करेंगे कि लघु मानव ने भी विकास की सभ्यता में अपनी महत्ती भूमिका का निर्वहन किया था। अहिंसक शक्तियों के साथ भी स्वतंत्रता	भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की कुछ महत्त्वपूर्ण तिथि के साथ ही इस स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हुए वीर शहीदों के नाम को हिंदी की नोटबुक में लिखवाया जाएगा।

						पाने में सफल रहे।	
10	फरवरी	7	21	टर्म 2 में पढाए गए पाठ की पुनरावृत्ति			
मूल्यांकन				पाठ्यक्रम			
पीटी-1/7-4-25				1-लाख की चूड़ियाँ,34 अपठित गद्यान्श, 36 अनुच्छेद लेखन			
पीटी-2/21-7-25				2-बस की यात्रा,3 दीवानों की हस्ती,4 भगवान के डाकिए,11 उपसर्ग,12 प्रत्यय,35 अपठित काव्यान्श			
अर्धवार्षिक परीक्षा				वसंत-1 लाख की चूड़ियाँ,2 बस की यात्रा,3 दीवानों की हस्ती,4 भगवान के डाकिए,5 क्या निराश हुआ जाए,6 यह सबसे कठिन समय नहीं,7 कबीर की सखियाँ व्याकरण-11 उपसर्ग,12 प्रत्यय,22 वाच्य,28 वाक्य-विचार,32 अलंकार,34 अपठित गद्यान्श,35 अपठित पद्यांश ,36-अनुच्छेद,37-पत्र-लेखन(औपचारिक लेखन/अनौपचारिक लेखन)विज्ञापन लेखन,सूचना लेखन भारत की खोज-अहमदनगर का किला से लेकर युगों का दौर तक			
पीटी-3/24-11-25				8 सुदामा चरित,9 जहाँ पहिया है,10 अकबरी लोटा,34 अपठित गद्यान्श, 36 अनुच्छेद लेखन			
पीटी-4/19-01/25				11 सूरदास के पद,12 पानी की कहानी,13 बाज और साँप , 35 अपठित पद्यांश, 37 अनौपचारिक पत्र लेखन, सूचना लेखन			
वार्षिक परीक्षा				वसंत-8 सुदामा चरित,9 जहाँ पहिया है,10 अकबरी लोटा,11 सूरदास के पद,12 पानी की कहानी,13 बाज और साँप व्याकरण भारती-22 वाच्य,27 पद-परिचय,28 वाक्य-विचार,32 अलंकार,34 अपठित गद्यान्श,35 अपठित पद्यान्श,36 अनुच्छेद-लेखन,37 पत्र-लेखन भारत की खोज-नयी समस्याएँ से लेकर दो पृष्ठभूमियाँ			